

‘यह पहल एक सामूहिक संकल्प का प्रतीक है जहां एक किसान की मेहनत एक सैनिक की ताकत में बदल जाती है ‘: राजनाथ

नई दिल्ली.ओपन सर्च

भारतीय सेना ने नई दिल्ली में ‘भारत चावल’ का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद थे। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय खाद्य निगम के बीच परिचालन संबंधी आपात परिस्थितियों के दौरान एफसीआई के बुनियादी ढांचे के उपयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। उच्च गुणवत्ता वाला यह चावल सीधे सेना के आपूर्ति डिपो तक पहुंचाया जाएगा, जिसमें लद्दाख और उत्तर पूर्व के दूरस्थ क्षेत्रों के डिपो भी शामिल है।

इसे स्थानीय एफसीआई गोदामों से सेना के डिपो द्वारा नहीं लिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में ‘भारत चावल’ को एक ऐसे भरोसे के बंधन के रूप में वर्णित किया जो किसान के खेत से शुरू होकर सैनिक की थाली तक पहुंचता है। उन्होंने कहा

अचानक बारिश से जलभराव, विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट मार्च के चलते जंतर-मंतर पर भारी सुरक्षा



नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह मौसम और सियासत दोनों का अमर जनजीवन पर साफ देखने को मिला। एक ओर दिल्ली के कई इलाकों में हुई मौसलाधार बारिश ने शहर के कई हिस्सों को जलमग्न कर दिया, तो दूसरी ओर विपक्ष द्वारा सुप्रीम कोर्ट तक निकाले जाने वाले विरोध मार्च के मद्देनजर पूरी लुटियंस दिल्ली को कड़ी सुरक्षा घेराबंदी में तब्दील कर दिया गया है। तेज बारिश से जगह-जगह जलभराव, यातायात प्रभावित सोमवार तड़के और सुबह के वक्त राजधानी के कई इलाकों में हुई तेज बारिश से तापमान में गिरावट तो दर्ज की गई, लेकिन इसके चलते शहर के

निचले इलाकों और प्रमुख सड़कों पर गंभीर जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से सुबह दफ्तर और जरूरी कामों के लिए निकले राहगीरों व वाहन चालकों को भारी जाम और आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम की मार के बीच राजधानी में सियासी तापमान चरम पर है।

विपक्षी दलों द्वारा जंतर-मंतर से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की योजना को देखते हुए दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों ने जंतर-मंतर व आसपास के समूचे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी है। स्वेदनशील रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि

प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। विपक्ष के इस प्रस्तावित मार्च और सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने केंद्रीय दिल्ली के छह प्रमुख स्टेशनों के प्लैटी और एजिंट गेट बंद कर दिए हैं- जनपथ मेट्रो स्टेशन: स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों पर ताले लगा दिए गए हैं और बाहर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। सेंट्रल सेक्रेटेरिएट व पटेल चौक: यात्रियों की भारी आवाजाही वाले सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और पटेल चौक मेट्रो स्टेशनों पर भी यात्रियों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी गई है। अन्य प्रभावित स्टेशन: सुरक्षा एजेंसियों के निर्देशानुसार लुटियंस जोन से जुड़े कुल 6 स्टेशनों पर कड़ी निगरानी और आवाजाही पर प्रतिबंध लागू किए गए हैं। बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव और मेट्रो स्टेशनों पर लगी पाबंदियों के चलते आम नागरिकों और दैनिक यात्रियों को राजधानी में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

इसमें कोई शक नहीं कि भारत में कुछ विरोध-प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल : हरीश साल्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)

वरिष्ठ वकील और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने आरोप लगाया है कि भारत में कुछ विरोध-प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल है। उन्होंने दावा किया कि सिस्टम को अस्थिर करने और देश को तबकीय करने से रोकने की कोशिशें की जा रही हैं।

एक साक्षात्कार में हरीश साल्वे ने कहा, ‘कुछ विदेशी देश, खासकर अमेरिका, भारत से खुश नहीं हैं। क्या इस बात में कोई संदेह है कि नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उथल-पुथल के पीछे कौन था? शेख हसीना को किसने हटाया और वहां नया प्रधानमंत्री कौन लेकर आया? मेरी राय में इन घटनाओं के पीछे बाहरी ताकतें थीं।’ उन्होंने कहा, ‘भारत में भी कुछ लोग विरोध प्रदर्शनों के नेता बनकर सामने आए हैं, जिनमें यूट्यूबर्स भी शामिल हैं। कुछ लोग जर्मनी और

दूसरे देशों में रहते हैं। वे इन गतिविधियों के लिए पैसा कहाँ से ला रहे हैं? प्रदर्शन आयोजित करने के लिए धन की जरूरत होती है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले छह से आठ महीनों में एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई दिया है। जब मोदी सरकार होर्मुज संकट से निपटने, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और भारत की सैटेलाइट क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, तब ये समूह सरकार को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। साल्वे ने कहा, ‘मैंने पिछले छह से आठ महीनों में इस पैटर्न को देखा है। ऐसे आंदोलनों से निपटना सरकार की जिम्मेदारी है। मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन ज्यादा समय तक चलेगा, क्योंकि मेरी राय में यह जनता का वास्तविक आंदोलन नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह विदेशी फंडिंग के आरोपों की जांच करे और उचित कार्रवाई करे।

जेएनयू यौन उत्पीड़न कांड : बिमोल अकोइजम के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का हल्ला बोल

नई दिल्ली (एजेंसी)

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बर्खास्त प्रोफेसर और कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर लगे यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा ने आज दिल्ली के दोन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में काले झंडे, तख्तायें और बैनर लेकर राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। मेरी पीड़ित छात्राओं को न्याय दिलाने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में शामिल भाजपा सांसद कमलजीत सहारवात ने कहा, ‘जेएनयू की 11 छात्राओं ने प्रोफेसर बिमोल अकोइजम के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं। एक समिति



ने उनकी शिकायतों की जांच की, उन्हें दोषी पाया गया और यूनिवर्सिटी से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि, यह प्रोफेसर मौजूद कांग्रेस सांसद हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी महिलाओं के सम्मान को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन जेएनयू जैसी प्रतिष्ठित संस्था में जिस तरह से इस व्यक्ति ने, जो उनका शिक्षक था, यहां पढ़ने आई लड़कियों के साथ व्यवहार किया, वह पूरे देश के लिए शर्म की बात है। राहुल गांधी को इस पर माफी मांगनी चाहिए और तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।’ वहीं, भाजपा

सांसद और मणिपुर की राज्य अध्यक्ष अधिकामिम्मम शारदा देवी ने कहा, ‘एक प्रोफेसर ने अपनी ही 11 छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया है। यह ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर हम चुप रह सके, और हमें इसके पुख्ता सबूत भी मिले हैं। महिलाएं एकजुट हो रही हैं और इन छात्राओं को न्याय दिलाने के लिए उन सबूतों के साथ सड़कों पर उतर रही हैं। कांग्रेस के सभी नेता क्यों चुप हैं? उन्हें आगे आकर अपनी बेटियों के लिए बोलना चाहिए और अपने सांसद पर कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने भी कांग्रेस की चुप्पी पर खवाल उठाते हुए कहा, 9 अक्टूबर 2026 को जेएनयू की एक आंतरिक समिति ने पाया कि मौजूदा कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम के खिलाफ 11 छात्राओं द्वारा दर्ज कराई गई यौन उत्पीड़न की शिकायतें सही पाई गईं।

का अभिन्न अंग बताया और कहा कि पौष्टिक भोजन, मजबूत उपकरण और संपूर्ण प्रशिक्षण सैनिकों का मनोबल बढ़ते हैं, जिससे वे हर चुनौती का सामना करने और राष्ट्र को रक्षा करने के लिए तैयार रहते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध में हथियार, उपकरण और प्रौद्योगिकी ही एकमात्र महत्वपूर्ण तत्व नहीं हैं, रसद व्यवस्था ही युद्ध शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज के युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं जीते जाते, बल्कि आपूर्ति

शृंखलाओं की मजबूती, भंडारण क्षमता, परिवहन नेटवर्क, भंडारण अवसंरचना और समय पर आपूर्ति की क्षमता जैसे कारक भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिक विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भविष्य में संघर्ष के दौरान चेतावनी का समय बेहद कम हो सकता है। ऐसी स्थिति और युद्ध में तकनीक के बढ़ते समावेश से हमारी तैयारियों को कठिन परीक्षा हो सकती

भगवती के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्माचरिणी को केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने किया नमन

नई दिल्ली (एजेंसी)

शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं की ओर से शुभकामनाएं दी गई हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्माचरिणी के विशेष पूजा और उपासना का दिन है। उन्हें कोटि-कोटि वंदना। मां ब्रह्माचारिणी संयम, अनुशासन और तप का प्रतीक है। देवी मां सभी को धैर्य और सामर्थ्य प्रदान करें।’

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मां भगवती के द्वितीय स्वरूप तथा सोभावी, शांति और संयम प्रदान करने वाली मां ब्रह्माचरिणी के चरणों में कोटि-कोटि नमन एवं वंदन अर्पण करता हूं। देवी मां की कृपा से समस्त श्रद्धालुओं के जीवन में सफलता के



नए द्वार खुलें एवं हर घर-आंगन सुख, समृद्धि और मंगलमय ऊर्जा से आलोकित हो, यही प्रार्थना है। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, शारदीय नवरात्रि के द्वितीय दिवस मां ब्रह्माचरिणी की अर्चना का महत्व है। तप व सदाचार की देवी, मां ब्रह्माचरिणी, आप सभी भक्तजनों का कल्याण करें। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर लिखा, शारदीय नवरात्र के पावन द्वितीय दिवस आदिशक्ति, जगत जननी मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्माचरिणी के चरणों में प्रणाम और यही प्रार्थना कि हे मैया सबका कल्याण हो, जगत में त्याग, सदाचार और संयम बढ़े।

‘सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले’, सीजेआई सूर्यकांत ने इंडिया ब्लॉक से न मिलने की बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं और यह कानून के मुताबिक शिकायतों की सुनवाई करता है, ताकि जिन्हें राहत मिलनी चाहिए, उन्हें वह मिल सके।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के 33वें स्थापना दिवस समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ‘मुझे उनका पत्र कल मिला और मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया। पत्र पर परसों की तारीख थी, लेकिन मैं बाहर था, इसलिए मुझे वह कल मिला। मैंने अपने जवाब में कुछ कारण बताए हैं और उनसे न मिल पाने की अपनी असमर्थता जाहिर की है। मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप उनसे ही पत्र की सामग्री के बारे में पूछें। मैंने



इसकी गोपनीयता बनाए रखी है।’ सीजेआई ने कहा, ‘सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी व्यक्ति याचिका दायर कर सकता है, चाहे वह आम नागरिक हो या किसी चुने हुए निकाय का सदस्य। भारत के हर नागरिक को हमारे पास आने का अधिकार है। हम कानून के मुताबिक उनकी शिकायतों को सुनेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन्हें राहत मिलनी चाहिए, उन्हें वह मिले।’ ‘वन नेशन वन इलेक्शन’ पर जेपीसी

के सुप्रीम कोर्ट दौरे के रद्द होने पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, इस मामले में तुलनात्मक रूप से अधिक कारण हैं क्योंकि उस मुद्दे (वन नेशन वन इलेक्शन जेपी बैठक) में कोर्ट में हितों के टकराव की संभावना थी, जिसके कारण हमें प्रशासनिक पहलू पर चर्चा करनी पड़ी। मेरे वरिष्ठ न्यायिक सहयोगियों और मेरी सामूहिक राय थी कि हमें हितों के टकराव की किसी भी स्थिति से बचना चाहिए। मनाही के बावजूद, ‘इंडी’ गठबंधन का

है। ऐसे संघर्ष हमारी रसद शृंखलाओं और आपूर्ति नेटवर्क की मजबूती को भी चुनौती दे सकते हैं। इसलिए अभियानों को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए रसद व्यवस्था को और मजबूत बनाना अति आवश्यक है। एफसीआई के साथ किया गया यह समझौता ज्ञापन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि एफसीआई के पास देशभर में, परिचालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों सहित, गोदाम, भंडारण अवसंरचना, आधुनिक साल्टो, सामग्री प्रबंधन उपकरण और प्रशिक्षित जनशक्ति मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह पहल इस बात का प्रमाण है कि आवश्यकता पड़ने पर देश की मौजूदा राष्ट्रीय क्षमता को राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दोहरा उपयोग का दृष्टिकोण दर्शाता है, जिसमें देश की अवसंरचना और क्षमताएं केवल एक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करतीं, बल्कि नागरिक और सैन्य दोनों आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

दिल्ली-एनसीआर में पटारवाों पर सुनवाई

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-‘ सिर्फ प्रतिबंध नहीं, जागरुकता भी जरूरी’

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध से जुड़े मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि अदालत धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहती लेकिन इस मुद्दे पर व्यवहारिक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल को लेकर लोगों को जागरूक करने और इसके लिए कुछ निर्धारित समय तय करने जैसे उपायों पर विचार आया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत को ऐसा समाधान तलाशना होगा, जो धार्मिक



भावनाओं का सम्मान करने के साथ-साथ मौजूदा परिस्थितियों को भी ध्यान में रखे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि यदि अदालत सीधे पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी करती है, तो लोग दिन में ही पटाखे जलाना शुरू कर सकते हैं। ऐसे में केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय व्यावहारिक उपायों पर विचार करना जरूरी है।

सीजेआई ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल को लेकर लोगों से अपील करने और इन्हें चलाने के समय को कुछ निर्धारित घंटों तक सीमित रखने के लिए अभी पर्याप्त समय है। उन्होंने नागरिकों और सिविल सोसायटी से

भी मौजूदा स्थिति के प्रति जागरूक रहने तथा अपनी जिम्मेदारी समझने की अपील की। सुनवाई के दौरान एक वकील ने दलील दी कि पटाखे चलाना धर्म के मौलिक अधिकार का हिस्सा नहीं है। वकील ने कहा कि पूजा करना धार्मिक आस्था का हिस्सा हो सकता है लेकिन पटाखे जलाना धार्मिक गतिविधि के लिए अनिवार्य नहीं है। उन्होंने इस संदर्भ में टिप्पणी की कि यदि भगवान को पता चले कि उनके नाम पर पटाखे जलाने से लोगों खासकर बच्चों को परेशानी हो रही है, तो वे भी हैरान होंगे। इस मुद्दे पर न्यायमूर्ति जयमहात्या बागची ने सवाल किया कि पटाखों का धर्म से आखिर क्या संबंध है। अदालत की सहायता कर रही अर्पराजिता सिंह ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल के पक्ष में हर बार धार्मिक आस्था से जुड़ी दलीलें दी जाती हैं जबकि इसके दुष्प्रभावों को भी गंभीरता से देखने की जरूरत है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले की भारत ने की निंदा, दो भारतीय लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)

होर्मुज स्ट्रेट में दो जहाजों पर हमले की भारत ने कड़ी आलोचना की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में दो भारतीय नाविक लापता हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन हमलों में जहाज ‘एमटी पेट्रो डॉल्फिन’ पर सवार 11 में से 9 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, जबकि दो लापता हैं। ‘एमटी वाल्थेरा’ पर सवार सभी 11 भारतीय सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इस घटना की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र में दो जहाजों पर हमला बेहद निंदनीय है।

उन्होंने बताया कि इन हमलों में दो भारतीय नाविक लापता हो गए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से सुरक्षितता को बढ़ाया जा चाहिए।

समुद्री व्यापार का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने बताया कि जहाज ‘एमटी पेट्रो डॉल्फिन’ पर उस समय 11 भारतीय नाविक सवार थे, जब जहाज पर झेन हमला हुआ। इनमें से 9 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन दो नाविक अब भी लापता हैं। वहीं, ‘एमटी वाल्थेरा’ पर सवार 11 भारतीय सुरक्षित हैं। जहाज को किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हथियार) से निशाना बनाया गया था, लेकिन सभी भारतीय नाविक सुरक्षित बच गए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं। इससे पहले से ही तनावपूर्ण हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। मंत्रालय ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से व्यापार का सुरक्षित व बिना किसी रुकावट के जारी रहना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा, ‘प्रखर समाजवादी चिंतक, स्वतंत्रता सेनानी एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि

चिंतक एवं ओजस्वी वक्ता डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। डॉ. लोहिया ने अपने विचारों और सिद्धांतों से देश की राजनीति में उच्च आदर्श स्थापित किए। सामाजिक सशक्तिकरण व देश के समग्र विकास हेतु उनके पुण्य विचार हमें राष्ट्र व समाज के नवनिर्माण के लिए प्रेरित करते रहेगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘महान स्वतंत्रता सेनानी,सप्त क्रांति के प्रणेता एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। जन-कल्याण को लेकर भारतीय राजनीति में सुचिन्ता, पारदर्शिता और सामाजिक समता के लिए उनका संघर्ष व चिन्तन सदैव राष्ट्र को नई दिशा तथा प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।’

सोनाली बेंद्रे ने बताया कैंसर से लड़ने का अलग नजरिया, बोलीं-मैंने इसे जंग की तरह नहीं देखा



अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे हाल ही में मराठी विवज शो 'कोण होणार करोडपति' के प्रीमियर में पहुंचीं, जिसे अभिनेत्री माधुरी अश्विनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपने कैसर बैटल पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि इस मुश्किल दौर में उन्होंने अपने शरीर से प्यार करना सीखा और इस फेज से काफी कुछ सीखा। बाचीत के दौरान माधुरी ने सोनाली के कैसर से लड़ने के हासिले और इस कठिन दौर में उनकी हिम्मत की तारीफ की। माधुरी ने सवाल पूछते हुए कहा, 'आपने जिंदगी में कई अलग-अलग अनुभव देखे हैं और जब आपने कैसर को मात दी, तब हमने आपका एक नया रूप देखा। हमने आपको एक मजबूत सोनाली के रूप में भरपूर देखा।' इस पर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे कहती हैं कि उन्होंने कभी भी कैसर को लड़ाई के तौर नहीं देखा था, बल्कि अपने शरीर को समझने और इससे कुछ सीखने पर ध्यान दिया था। उन्होंने कहा, हम हमेशा कहते हैं कि किसी ने कैसर पर जीत हासिल कर ली, लेकिन उस वक्त मेरा इरादा इससे उबरने का नहीं था बल्कि, यह समझने का था कि ऐसा क्यों हो रहा है और इससे मैं क्या सीख सकती हूँ। सोनाली बेंद्रे ने माधुरी दीक्षित को बताया कि कैसर के दौरान उन्हें जिंदगी के कई अनुभव मिलें। उन्होंने कहा, यकीन मानिए, मैंने इससे वाकई बहुत कुछ सीखा और मैंने इसे इसी नज़रिए से देखा। सोनाली ने यह भी बताया कि उन्हें क्यों लगता है कि लड़ाई और जीतने जैसी भाषा कभी-कभी अपने ही शरीर के साथ एक टक्कर पैदा कर देती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब हम कहते हैं कि हमने किसी चीज पर जीत हासिल कर ली है तो कहीं न कहीं ऐसा लगता है जैसे ये एक लड़ाई है। इसमें कहीं न कहीं एक निगेटिविटी आ जाती है और आसिर है तो ये हमारा ही शरीर, है ना? कैसर सेल्स तो हमारे ही सेल्स हैं। तो हम खुद से ही कैसे लड़ सकते हैं? (एजेंसी)

‘भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करने वालों को यहां नहीं चाहते’, तनीषा मुखर्जी ने साधा निशाना



मुकामन पहुँचाने की कोशिश करने वाले गुप्त का समर्थन करने वालों को आभूतिक और जाल्फक समझा जाता है। अभिनेत्री ने हालाँकि प्रभावित होकर में किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि एक्स प्लेटफॉर्म के मालिक एनन मस्क ने गुप्त मुझे पर अपनी बात रखते हुए वह किसी का नाम लेते से बच रही हैं। तभीना ने अपने पते में लोगों को मीडिया से प्रभावित होकर अपनी तर्कसंगत चर्चा के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी भी पते पर अपनी समझ का इस्तेमाल करना चाहिए और थगों तथा तर्क के आधार पर राय बनानी चाहिए। उन्होंने लिखा, आपकी सोच, आपका ध्यान और आपके विचारों को प्रभावित करने की लड़खल चल रही है। लेकिन कृपया मीडिया से इतने प्रभावित न हो कि आप अपनी सामान्य समझ का इस्तेमाल करना भी बंद कर दें। चौजे तार्किक के शासन कावा समज ही हमें सुरक्षित रखता है। दरअसल, टेक्सा के मालिक और एक्स के प्रमुख मस्क ने हाल ही में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिक को भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने को लेकर नाराज़ी जताई थी। मस्क ने आरोप लगाया था कि एक भारतीय अव्यवस्था के द्वारा पर भारत में स्टारलिक की एंटी रेकी है। (एनसी)

‘हार्ट कंट्रोलर’ के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला, खुद के लिखे गाने गाए



एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टोअम (इलेक्ट्रॉनिक डॉस म्यूजिक) ट्रैक 'हार्ट कंनेक्शन' के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डॉस म्यूजिक को ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आसना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेसन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए 'समर ने' की एक्ट्रेस ने कहा, भारत की पहली बॉलीवुड

इंडिया सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फुल-लंबे इंडियन स्टाइल के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने भी, लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक ड्रॉस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं। अपने अपनी इमेज को सजाने के लिए नहीं बल्कि एक ऐसे रूप के तौर पर जिसे मैं 'हार्ट कंट्रोलर' के लिए एक वोकलिस्ट और गायक के तौर पर अपनाया चाहती थी। यह रिलीज हो गया है। यह उन सभी के लिए है जो इस जॉनर को पसंद करते हैं और उनके

लेपे भी जिन्होंने कभी किसी पूरे भारतीयकृत ट्रैक के बारे में किसी भारतीय नाम को अकेले गुंजाते हुए नहीं सुना है। उर्वशी ने कहा, यह रिकॉर्ड सिर्फ एक गाना नहीं है। इसके बोल सुनने पर महाभारत, वंश और गरिमा, भारतीय संस्कृति और परंपरा, और मेरे अपने नाम की झलक मिलती है। गाने में 'गैतेला' नाम जान-बूझकर शामिल किया गया है। इसे धीरे-धीरे सही ढंग से बोले। 'उर्वशी' इसका यादतल है। जिस अर्थ से मैंने यह गाना बनाया है, उसमें 'उर' का मतलब है दिल और 'वशी' का मतलब है कंट्रोल करने वाला। इसलिए 'हार्ट कंट्रोल'। मैं किसी और महिला के बारे में नहीं बता

है। हूं। मैं बस इस नाम को गा रही हूँ। 'जिन लोगों ने यह रिवाज सुना है, उन्होंने इसे बहुत पसंद किया है। बस इतना ही काफी है। मैं अपनी आवाज किसी और के गाने में नहीं दे रही हूँ। मैं इसे खुद दुनिया के सामने, और दुनिया से पूरे पूरे ब्रह्मांड के सामने पेश कर रही हूँ। 'हार्ट कंट्रोल्स' अब सिर्फ मेरा नहीं है, वह आकाश भी है। अगर एंग्लैंड हाउस और हॉलीवुड के टॉप प्रोड्यूसर्स, सचन और तिमोर मुझे जानें, यह रिवाज बनाकर मुझे बहुत खुशी और सतुष्टि मिल रही है। उन सभी रौतेलाने ने सनी देओल के साथ फिल्म 'रिह साहब दे प्रेत' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। (एजेंसी)

भारत बन रहा वैश्विक आर्थिक शक्ति का नया केंद्र, एआई और बदलते पूंजी प्रवाह से बढ़ेंगे अवसर : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

वैश्विक स्तर पर पूंजी प्रवाह में बदलाव, भू-राजनीतिक आधार पर बढ़ते व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत विकास की बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए बहुदुधवीय दुनिया में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। सोमवार को जारी ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में पूंजी प्रवाह, व्यापारिक रिस्तों और उद्योगों की संरचना तेजी से बदल रही है।

एआई क्रांति शुरू हो चुकी है, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का विस्तार नए निर्यात अवसर पैदा कर रहा है और शहरीकरण की गति लगातार बढ़ रही है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री टॉम



ऑलैंक ने कहा कि इन सभी बदलावों के बीच भारत विकास में मौजूद कई बाधाओं को कम करते हुए वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विस्तार होता मुक्त व्यापार नेटवर्क 2035 तक देश की जीडीपी में 140 अरब डॉलर से 170 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। विनिर्माण लागत कम करने और कृषि क्षेत्र से श्रमिकों को अधिक उत्पादक

क्षेत्रों में स्थानांतरित करने जैसे घरेलू सुधार इन लाभों को और बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक पूंजी प्रवाह अब पहले की तुलना में अधिक केन्द्रित और राजनीतिक होता जा रहा है। प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच पूंजी निवेश मित्र देशों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम है, जबकि निवेश का बड़ा हिस्सा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों को और बढ़ रहा है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की मजबूत

घरेलू ताप बिजलीघरों में कोयले का भंडार घटने की रफ्तार अक्टूबर में धीमी पड़ी : सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)



सरकार ने सोमवार को कहा कि देश के ताप बिजलीघरों में कोयले का भंडार घटने की रफ्तार से महीने काफी धीमी हुई है। 29 सितंबर से कोयले का भंडार 1.8 करोड़ टन से ऊपर बना हुआ है। कोयला भंडार 29 सितंबर को 1.8932 करोड़ टन था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 1.8205 करोड़ टन रह गया। यह बहलूपुरी बात है, क्योंकि सितंबर में बिजलीघरों में कोयले का भंडार घटकर निचले स्तर पर आ गया था। कोयला मालाया से बयान में कहा, 'भंडार में स्थिरता से पता चलता है कि बिजलीघरों में

कोयले की आपूर्ति उनकी दैनिक खपत के अनुसंग बनी हुई है। कम भंडार वाले बिजलीघरों में आपूर्ति पर करीबी नजर रखी जा रही है।

साथ ही, जरूरत के आधार पर कम भंडार वाले बिजलीघरों को कोयले का पुनर्वितरण किया जा रहा है, ताकि पर्याप्त आपूर्ति तथा निर्बाध बिजली उत्पादन सुनिश्चित हो सके।

मंत्रालय ने कहा कि अधिक

मालगाड़ियों में कोयला लादे जाने के कारण चालू महीने में घरेलू बिजलीघरेलों में कोयले का भंडार घटने की रफ्तार काफी धीमी हुई है। बयान के अनुसार, 'सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था।

इस दौरान औसतन प्रतिदिन करीब 2.4 लाख टन की कमी आई। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर के पहले 10 दिन में कोयले का भंडार कुल मिलाकर केवल करीब 5.6 लाख टन घटा। इस दौरान प्रतिदिन औसतन करीब 60,000 टन की कमी आई। बयान के अनुसार, मालगाड़ियों में कोयला लादने की संख्या बढ़ने से स्थिति में सुधार हुआ है।

सर्साफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में हुए इस बदलाव के बाद ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली (एजेंसी)



दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये
प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।
इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट
सोने की रिटेल कीमत 1,51,460
रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट
सोने की कीमत 1,38,840 रुपये
प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन
प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24

कैरेट सोना आज 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कोबाबर कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24

कैरेट सोने की कीमत 1,51,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियाँ बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

